ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-05-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-05-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-05-12	2021-05-13	2021-05-14	2021-05-15	2021-05-16
वर्षा (मिमी)	1.0	7.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	40.0	39.0	39.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	29.0	29.0	28.0	28.0	29.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	36	53	55	50	41
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	16	15	16	15	10
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	19.0	23.0	22.0	14.0	10.0
पवन दिशा (डिग्री)	220	197	209	219	246
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	0	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

12 और 13 मई को हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 39.0 से 40.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 28.0 से 29.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

कोरोना महामारी का प्रकोप बहुत तेजी से बढ रहा है अतः अनावश्यक रूप से घर से बाहर ना निकलें, मास्क पहने तथा 2 मीटर की दूरी बनाएं रखें। 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति टीकाकरण कराएं।

लघु संदेश सलाहकार:

12 और 13 मई को हल्की वर्षा की सम्भावना है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बैंगन की फसल में फल छेदक कीट की लटे फल में छेद कर अन्दर से गुददे को खाती है इसके नियंत्रण हेतु प्रभावित फलों को तोडकर मिट्टी में दबाएं तथा क्यूनालफास 1 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
मिर्च	मिर्च में पर्णकुंचन या मोजेक रोग के प्रकोप से पौधों के पत्ते सिकुड़ कर मुड जाते है तथा छोटे रह जाते है। नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रीड 3 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी या डाईमिथोएट 30 ई.सी. का एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
बेर	बेर के पौधों की कटाई छंटाई का उचित समय है। कटाई छटाई करने से पौधे के कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते हैं उन्ही पर फूल एवं फल लगते है जिससे फल उत्पादन में वृद्धि होती है। छटाई करते समय सूखी एंव आपस में रगड़ खाती टहिनयों को हटा दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
मिट्टी परीक्षण	किसान भाई मृदा परीक्षण के लिए 30 सेंटीमीटर गहराई तक से मिट्टी का नमूना इकट्ठा कर मिट्टी का परीक्षण नजदीकी प्रमाणित एजेंसियों या सरकारी कार्यालय से कराएं।